इंटरनेशनल वॉलंटियर-डे पर टीम गर्ल्स मेंबर का सम्मान

» जालोर. कार्यक्रम में प्रस्तुति देते सिरोही के कलाकार।

» जालोर. कार्यक्रम में प्रस्तुति देती जालोर की टीम।

भास्कर न्यूज • जालोर

बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन एजुकेट गर्ल्स की ओर से गुरुवार को जालोर में वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। गुरुवार को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे तथा एजुकेट गर्ल्स के एनुअल फंक्शन पर आयोजित कार्यक्रम में पाली, जालोर व सिरोही जिलों के करीब 1600 वालंटियर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलक्टर राजन विशाल ने कहा कि संगठन में शामिल युवाओं की ओर से लोगों को जागरूक करने के लिए किया जा रहा कार्य काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि सामाजिक चेतना से जुड़े कार्य करने से दिल को सुकून मिलता है।

» जालोर. कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एजुकेट गर्ल्स की संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक सफीना हुसैन ने राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विषय पर चर्चा की। टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने समुदायों में सफलतापूर्वक जागरूकता फैला रहे हैं। वे स्कूल प्रबंधन समितियों के साथ करीब से कार्यरत हैं ताकि लड़कियों को उपलब्ध कराई जाने वाली शिक्षा के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल सुनिश्चित किया जा सके। टीम बालिका सदस्य स्वेच्छाकर्मी तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरूकता फैला रहे हैं। लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2018 तक 4 मिलियन से अधिक बच्चों की जिंदगियों में सकारात्मक प्रभाव लाना है। इस अवसर पर तीन जिलों से एजुकेट गर्ल्स के सदस्य व अन्य लोग उपस्थित रहे।

टीम के सदस्यों ने बताए अपने अनुभव

इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों से आई कई बालिकाओं ने अपने अनुभवों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संस्थान से जुड़ने के बाद उन्होंने अपने गांवों में अनपढ़ बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित किया है। आबूरोड से आई आदिवासी महिला ने भी अपने अनुभव बताए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

इस अवसर पर टीम की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। टीम ने फिल्मी व राजस्थानी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को ऊंचाइयां बख्शी।

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजूकेट गर्ल्स का छठां स्थापना दिवस समारोह

जालोर. बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व बालिकाओं के विकास को लेकर जालोर में तीन जिले की बालिका टीमों के स्वयंसेवकों व स्वयं सेविकाओं को सम्मानित किया गया।

जिला मुख्यालय पर रतनपुरा रोड स्थित एक वाटिका में अन्तरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस व एजूकेट गर्ल्स के छठे स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में जालोर, पाली व सिरोही जिले के एक हजार छह सौ स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक व कार्यकारी निदेशक सफीना हुसैन ने संस्था के उद्देश्यों व उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीम बालिका सदस्यों के योगदान से लड़कियों को स्कूल में प्रवेश दिलाने व उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए समुदायों में जागरूकता फैलाई जा रही है। यह टीम विद्यालय प्रबन्धन समिति के साथ कार्य करते हुए बालिकाओं को विद्यालय में सुरक्षित व स्वस्थ माहौल उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। संस्था के माध्यम से गत छह साल में 52 हजार लड़कियों को विद्यालय छोड़ने के बाद उन्हें पुनः प्रवेश दिलाया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 से संस्था की ओर से तीन जिलों में दो लाख से अधिक लड़कियों की जिंदगी में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2018 तक चार मिलियन से अधिक बच्चों की जिंदगी में सकारात्मक प्रभाव लाना है। जिला कलक्टर राजन विशाल ने एजूकेट गर्ल्स की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सभी स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में एजूकेट गर्ल्स के हंसल मेहता, गुलमुखी, जस्मीन श्रीवास्तव, ताराकपूर, सलाहकार स्वाति आप्टे समेत बड़ी संख्या में टीम बालिका सदस्य और जालोर, पाली व सिरोही जिले से आए लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कम्यूनिकेशन ऑफिसर मीना कंवर भाटी ने किया।

स्वयंसेवक व स्वयं सेविकाओं का सम्मान

एजूकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस व अन्तरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व उनकी जिंदगी में सकारात्मक प्रभाव लाने में उल्लेखनीय कार्य के लिए करीब 16 00 टीम बालिका सदस्यों को सम्मानित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मन मोहा

एजूकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जालोर, पाली व सिरोही जिले से आए टीम बालिका सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। पाली की टीम ने अंगूठा बाई नाटक के माध्यम से एक अनपढ़ महिला के जीवन में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों को उजागर करते हुए बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। जालोर व सिरोही के सदस्यों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बालिका विकास का संदेश दिया। इस मौके पर तीनों जिलों से आए स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव बांटे। सिरोही की नवलीकुमारी ने बंद पड़े विद्यालय को शुरू करवाने व बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने का अनुभव बांटा तो पूरा पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम में सुशीलाकुमारी, सुरेशकुमार व अर्जुन समेत अन्य ने भी अनुभव बांटे।

1. जालोर में आयोजित एजुकेट गर्ल्स स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित जालोर, पाली व सिरोही जिले की बालिकाएं 2. नृत्य प्रस्तुत करती टीम की बालिकाएं 3. विचार रखती सिरोही जिले की बालिका। पत्रिका

बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करने वाले सम्मानित

■ इंटरनेशनल वॉलंटियर डे पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

जोधपुर (लोसं.)। भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन एजुकेट गर्ल्स (एनजीओ) ने गुरुवार को संभाग के जालौर में अपने 1,600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है। कार्यक्रम में वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। टीम बालिका सदस्य के रूप में विख्यात 1,600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरूकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। टीम की कुछ बालिका सदस्यों ने कार्यक्रम में गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन के लिए विशेष रूप से तैयार टीम बालिका गान लांच किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर जालोर राजन विशाल सहित बड़ी तादाद में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मिला सम्मान खिला चेहरा

नगर प्रभा टीम

जोधपुर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की षिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने आज संभाग के जालौर में अपने 1,600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेषनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6ठी वर्षगांठ है।

कार्यक्रम षंकर वाटिका, जालौर में आयोजित किया गया। इसमें लगभग 2,000 लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1,600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की।

'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1,600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। वर्तमान में, पहली बार टीम बालिका के सभी सदस्यों को एक साथ लाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक, एजूकेट गर्ल्स ने मेहमानों का स्वागत किया और राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विषय में चर्चा की। ''टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने समुदायों में सफलतापूर्वक जागरुकता फैला रहे हैं। वे स्कूल प्रबंधन समितियों के साथ करीब से कार्यरत हैं ताकि लड़कियों को उपलब्ध कराई जाने वाली शिक्षा के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल सुनिश्चित किया जा सके। पिछले 6 वर्षों से हम 52,000 लड़कियों को वापस स्कूल लाने में सफल हुए हैं। हमें वर्ष 2014 में अपनी पहल को 3 और जिलों एवं 3000 से अधिक गांवों तक ले जाने का भरोसा है।''एजूकेट गर्ल्स ने शुरूआत से ही 5,550 सरकारी स्कूलों के साथ कार्य किया है जहां रचनात्मक अध्यापन तकनीकों की पेशकश से अध्ययन परिणामों में 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2008 से, संगठन ने 3 जिलों में 200,000 से अधिक लड़कियों की जिंदगी को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2018 तक 4 मिलियन से अधिक बच्चों की जिंदगियों में सकारात्मक प्रभाव लाना है। टीम की कुछ बालिका सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों के लिए गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन के लिए विशेष रूप से तैयार टीम बालिका गान लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर जालोर राजन विषाल सहित बडी तादाद में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

वॉलंटियर डे पर बालिकाएं सम्मानित

न्यूज सर्विस/जालोर।

एजूकेट गर्ल्स भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने गुरुवार को 1600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन जालोर के रतनपुरा रोड स्थित शंकर वाटिका में किया गया। वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर-डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6 वीं वर्षगांठ है। इस मौके जिला कलक्टर राजन विशाल मौजूद थे। कार्यक्रम में लगभग 2000 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान टीम की कुछ बालिका सदस्यों की ओर से गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया गया। साथ की कार्यक्रम के समापन अवसर पर तैयार टीम बालिका गान विशेष रूप से लॉंच किया गया। जिसमें से 1600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने उनके माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। कार्यक्रम में नाटक का भी मंचन किया गया। जिसमें दर्शाया गया कि बालिका को स्कूल भेजकर शिक्षित किया जाए। जिससे बालिका आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन-यापन कर सके। नाटक मंचन में नाट के सूत्रधार पूरण राणा थे। रानी की भूमिका स्वाती ने निभाई तथा मास्टर की भूमिका परमेश्वर ने एवं सरपंच की भूमिका बलवंतसिंह ने निभाई। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गढ़गढ़ाहट से नाटक के कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। जिला कलक्टर राजन विशाल ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि एनजीओ बालिका शिक्षा को लेकर बहुत ही अच्छा काम कर रहा है और भविष्य में भी इसके इससे भी बेहतर परिणाम की अपेक्षा करते है।

एजूकेट गर्ल्स ने वॉलंटियर-डे पर 1600 टीम बालिका सदस्यों को किया सम्मानित

बालिकाओं की शिक्षा के लिए टीम समुदायों के रूप में है प्रयासरत

'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1600 वॉलंटियर अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांवों में समुदायों के रूप में कार्यरत है और ये राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली व सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता का प्रचार कर रहे है। लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार है। एजूकेट गर्ल्स की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सफीना हुसैन ने मेहमानों का स्वागत किया और राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विषय में चर्चा की। टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए उनके समुदायों में सफलतापूर्वक जागरुकता फैला रहे है। वे स्कूल प्रबंधन समितियों के साथ करीब से कार्यरत है ताकि लड़कियों को उपलब्ध कराई जाने वाली शिक्षा के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल सुनिश्चित किया जा सके। वे पिछले 6 वर्षों से 52 हजार लड़कियों को वापस स्कूल लाने में सफल हुए है।

भत्ता देय होगा ।

इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया

जालोर, 5 दिसंबर : एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने आज जालौर में अपन 1600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। इंटरनेषनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6ठी वर्शगांठ है। कार्यक्रम शंकर वाटिका, जालौर में आयोजित किया गया। इसमें लगभग 2000 लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य षामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। 'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की षिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंषन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। वर्तमान में, पहली बार टीम बालिका के सभी सदस्यों को एक साथ लाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

टीम की कुछ बालिका सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों के लिए गीत एवं नृत्य का प्रदर्षन किया। कार्यक्रम के समापन के लिए विषेश रूप से तैयार टीम बालिका गान लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर जालोर राजन विशाल सहित बडी तादाद में गणमान्य नागरिक मौजूद थे;

एजूकेट गर्ल्स ने 16 सौ टीम बालिका सदस्यों को सम्मानित किया

- टीम बालिका की सरकारी स्कूलों में लड़कियों का नामांकन कराने एवं सामुदायिक स्वामित्व में अहम भूमिका

जालोर, 5 दिसम्बर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने गुरूवार को जालोर में अपने 1600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6ठी वर्शगांठ है। कार्यक्रम शंकर वाटिका जालोर में आयोजित किया गया। इसमें लगभग दो हजार लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। 'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलो जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। वर्तमान में, पहली बार टीम बालिका के सभी सदस्यों को एक साथ लाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

जालोर में एजूकेट गर्ल्स की ओर से इंटरनेशनल वॉलंटियर डे पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते वॉलंटियर।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक, एजूकेट गर्ल्स ने मेहमानों का स्वागत किया और राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विशय में चर्चा की। ''टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने समुदायों में सफलतापूर्वक जागरुकता फैला रहे हैं। वे स्कूल प्रबंधन समितियों के साथ करीब से कार्यरत हैं ताकि लड़कियों को उपलब्ध कराई जाने वाली शिक्षा के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल सुनिश्चित किया जा सके। पिछले 6 वर्शों से हम 52 हजार लड़कियों को वापस स्कूल लाने में सफल हुए हैं।

हमें वर्ष 2014 में अपनी पहल को 3 और जिलों एवं 3000 से अधिक गांवों तक ले जाने का भरोसा है। एजूकेट गर्ल्स ने शुरूआत से ही 5550 सरकारी स्कूलों के साथ कार्य किया है जहां रचनात्मक अध्यापन तकनीकों की पेशकश से अध्ययन परिणामों में 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2008 से, संगठन ने 3 जिलों में बीस हजार से अधिक लड़कियों की जिंदगी को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2018 तक 4 मिलियन से अधिक बच्चों की जिंदगियों में सकारात्मक प्रभाव लाना है। टीम की कुछ बालिका सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों के लिए गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन के लिए विशेष रूप से तैयार टीम बालिका गान लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर राजन विशाल सहित बड़ी तादाद में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

एजूकेट गर्ल्स ने 16 सौ टीम बालिका सदस्यों को सम्मानित किया

टीम बालिका की सरकारी स्कूलों में लड़कियों का नामांकन कराने एवं सामुदायिक स्वामित्व में अहम भूमिका

जालोर, 5 दिसम्बर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने गुरूवार को जालोर में अपने 1600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6ठी वर्शगांठ है।

कार्यक्रम शंकर वाटिका जालोर में आयोजित किया गया। इसमें लगभग दो हजार लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। 'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलो जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं।

वर्तमान में, पहली बार टीम बालिका के सभी सदस्यों को एक साथ लाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक, एजूकेट गर्ल्स ने मेहमानों का स्वागत किया और राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विशय में चर्चा की। ''टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने समुदायों में सफलतापूर्वक जागरुकता फैला रहे हैं। वे स्कूल प्रबंधन समितियों के साथ करीब से कार्यरत हैं ताकि लड़कियों को उपलब्ध कराई जाने वाली शिक्षा के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल सुनिश्चित किया जा सके।

पिछले 6 वर्शों से हम 52 हजार लड़कियों को वापस स्कूल लाने में सफल हुए हैं। हमें वर्ष 2014 में अपनी पहल को 3 और जिलों एवं 3000 से अधिक गांवों तक ले जाने का भरोसा है। एजूकेट गर्ल्स ने शुरूआत से ही 5550 सरकारी स्कूलों के साथ कार्य किया है जहां रचनात्मक अध्यापन तकनीकों को पेशकश से अध्ययन परिणामों में 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2008 से, संगठन ने 3 जिलों में बीस हजार से अधिक लड़कियों की जिंदगी को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2018 तक 4 मिलियन से अधिक बच्चों की जिंदगियों में सकारात्मक प्रभाव लाना है। टीम की कुछ बालिका सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों के लिए गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया।

1600 बालिकाएं सम्मानित

जालोर, 5 दिसंबर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने आज जालौर में अपने 1,600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6ठी वर्षगांठ है। कार्यक्रम शंकर वाटिका, जालौर में आयोजित किया गया। इसमें लगभग 2,000 लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1,600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। 'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1,600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं।

इंटरनेशनल वालंटियर डे मनाया

टीम बालिका की सरकारी स्कूलों में लड़कियों का नामांकन कराने एवं सामुदायिक स्वामित्व में अहम् भूमिका

जालोर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के तत्वावधान में गुरूवार को जालोर में संगठन के वॉलिन्टियर को सम्मानित किया गया। इन वॉलिन्टियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। शंकर वाटिका में इंटरनेशनल वॉलिन्टियर डे मनाया एवं एजूकेट गर्ल्स की छठी वर्षगांठ भी मनाई गई। इसमें बड़ी संख्या में वॉलिन्टियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल हुए एवं लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी निभाई। टीम बालिका सदस्य के रूप से विख्यात 1,600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरूकता फैला रहे हैं। लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। वर्तमान में, पहली बार टीम बालिका के सभी सदस्यों को एक साथ लाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। टीम की बालिकाओं एवं सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों के लिए गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन के लिए विशेष रूप से तैयार टीम बालिका का सोंग लांच किया गया। जिला कलक्टर जालोर राजन विशाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक इसमें शरीक हुए।

जालोर के शंकर वाटिका में 1,600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए 'इंटरनेशनल वॉलंटियर डे' पर एक गैर सरकारी संगठन ने गुरूवार को कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि जिला कलैक्टर राजन विशाल थे तथा अध्यक्षता सफिना हुसैन ने की। फोटो-साबिर सागर

'इंटरनेशनल वॉलंटियर डे' पर 1600 बालिका टीम सम्मानित

जालौर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने जालौर में अपने 1,600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है। कार्यक्रम शंकर वाटिका, जालौर में आयोजित हुआ। इसमें लगभग 2,000 लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1,600 वॉलंटियर कर्मचारी व बोर्ड सदस्य शामिल थे। 'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1,600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत है, राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार है। सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक, एजूकेट गर्ल्स ने मेहमानों का स्वागत किया और राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विषय में चर्चा की। टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने समुदायों में सफलतापूर्वक जागरुकता फैला रहे हैं। पिछले 6 वर्षों से 52,000 लड़कियों को वापस स्कूल लाने में सफल हुए है। हमें वर्ष 2014 में अपनी पहल को 3 और जिलों एवं 3000 से अधिक गांवों तक ले जाने का भरोसा है। एजूकेट गर्ल्स ने शुरुआत से ही 5,550 सरकारी स्कूलों के साथ कार्य किया है जहां रचनात्मक अध्यापन तकनीकों की पेशकश से अध्ययन परिणामों में 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2008 से, संगठन ने 3 जिलों में 200,000 से अधिक लड़कियों की जिंदगी को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2018 तक 4 मिलियन से अधिक बच्चों की जिंदगियों में सकारात्मक प्रभाव लाना टीम की कुछ बालिका सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों के लिए गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया।

600 टीम बालिका सदस्यों का सम्मान

जालोर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने आज जालौर में अपने 1,600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6ठी वर्षगांठ है। कार्यक्रम शंकर वाटिका, जालौर में आयोजित किया गया। इसमें लगभग 2,000 लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1,600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। 'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1,600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलों जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। वर्तमान में, पहली बार टीम बालिका के सभी सदस्यों को एक साथ लाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक, एजूकेट गर्ल्स ने मेहमानों का स्वागत किया और राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विशय में चर्चा की। "टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने समुदायों में सफलतापूर्वक जागरुकता फैला रहे हैं। वे स्कूल प्रबंधन समितियों के साथ करीब से कार्यरत हैं ताकि लड़कियों को उपलब्ध कराई जाने वाली शिक्षा के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल सुनिश्चित किया जा सके। पिछले 6 वर्शों से हम 52,000 लड़कियों को वापस स्कूल लाने में सफल हुए हैं। हमें वर्श 2014 में अपनी पहल को 3 और जिलों एवं 3000 से अधिक गांवों तक ले जाने का भरोसा है।" एजूकेट गर्ल्स ने शुरूआत से ही 5,550 सरकारी स्कूलों के साथ कार्य किया है जहां रचनात्मक अध्यापन तकनीकों की पेशकश से अध्ययन परिणामों में 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्श 2008 से संगठन ने 3 जिलों में 200,000 से अधिक लड़कियों की जिंदगी को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

एजूकेट गर्ल्स ने 16 सौ टीम बालिका सदस्यों को सम्मानित किया

टीम बालिका की सरकारी स्कूलों में लड़कियों का नामांकन कराने एवं सामुदायिक स्वामित्व में अहम भूमिका

जालोर। एजूकेट गर्ल्स, भारत में लड़कियों की शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कार्यरत गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने गुरूवार को जालोर में अपने 1600 वॉलंटियर को सम्मानित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इन वॉलंटियर को टीम बालिका सदस्य के रूप में जाना जाता है। 5 दिसंबर को इंटरनेशनल वॉलंटियर डे मनाया जाता है और इसी दिन एजूकेट गर्ल्स की 6ठी वर्षगांठ है। कार्यक्रम शंकर वाटिका जालोर में आयोजित किया गया। इसमें लगभग दो हजार लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें से 1600 वॉलंटियर कर्मचारी और बोर्ड सदस्य शामिल थे। प्रोग्राम के कुछ लाभार्थियों ने अपने माता-पिता के साथ समारोह में भागीदारी की। 'टीम बालिका' सदस्य के रूप से विख्यात 1600 स्वेच्छाकर्मी अथक रूप से सरकारी स्कूलों के साथ ही गांव के समुदायों में कार्यरत हैं और राजस्थान के तीन जिलो जालोर, पाली, सिरोही में लड़कियों की शिक्षा पर जागरुकता फैला रहे हैं। वे सामुदायिक उत्प्रेरक के तौर पर कार्य करते हैं और लड़कियों के नामांकन, रिटेंशन एवं अध्ययन परिणामों में सुधार लाने में मददगार हैं। वर्तमान में, पहली बार टीम बालिका के सभी सदस्यों को एक साथ लाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया।

जालोर में एजूकेट गर्ल्स की ओर से इंटरनेशनल वॉलंटियर डे पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते वॉलंटियर।

सफीना हुसैन, संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक, एजूकेट गर्ल्स ने मेहमानों का स्वागत किया और राजस्थान में लड़कियों की शिक्षा में सुधार के लिए टीम बालिका सदस्यों के असाधारण योगदान के विशय में चर्चा की। ''टीम बालिका के सदस्य लड़कियों के स्कूलों में दाखिले और उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने समुदायों में सफलतापूर्वक जागरुकता फैला रहे हैं। वे स्कूल प्रबंधन समितियों के साथ करीब से कार्यरत हैं ताकि लड़कियों को उपलब्ध कराई जाने वाली शिक्षा के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ माहौल सुनिश्चित किया जा सके। पिछले 6 वर्शों से हम 52 हजार लड़कियों को वापस स्कूल लाने में सफल हुए हैं।

हमें वर्ष 2014 में अपनी पहल को 3 और जिलों एवं 3000 से अधिक गांवों तक ले जाने का भरोसा है। एजूकेट गर्ल्स ने शुरूआत से ही 5550 सरकारी स्कूलों के साथ कार्य किया है जहां रचनात्मक अध्यापन तकनीकों की पेशकश से अध्ययन परिणामों में 25 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2008 से, संगठन ने 3 जिलों में बीस हजार से अधिक लड़कियों की जिंदगी को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इसका उद्देश्य वर्ष 2018 तक 4 मिलियन से अधिक बच्चों की जिंदगियों में सकारात्मक प्रभाव लाना है। टीम की कुछ बालिका सदस्यों ने वहां उपस्थित लोगों के लिए गीत एवं नृत्य का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन के लिए विशेष रूप से तैयार टीम बालिका गान लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर राजन विशाल सहित बड़ी तादाद में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।